हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(संचयन)(पाठ 4)(धर्मवीर भारती – मेरा छोटा–सा निजी पुस्तकालय)

(कक्षा 9)

प्रश्न अभ्यास

खंड – क

प्रश्न 1:

लेखक का ऑपरेशन करने से सर्जन क्यों हिचक रहे थे ?

उत्तर 1:

जब लेखक की हालत काफी बिगड़ गई तो उनकी साँस बंद, नब्ज बंद, और धड़कन भी बंद हो गई तब डॉक्टरों ने उन्हें लगभग मृत ही घोषित कर दिया था । लेकिन डॉ बोर्गेस ने हार नहीं मानी उन्होंने 900 वॉल्ट्स के शॉक दिए , इस प्रयोग में लेखक का साठ प्रतिशत हॉर्ट सदा के लिए नष्ट हो गया । बचे चालीस प्रतिशत हॉर्ट पर डॉक्टर कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे , इसलिए सर्जन लेखक के दिल का ऑपरेशन करने से हिचक रहे थे।

प्रश्न 2:

' किताबों वाले कमरे ' में रहने के पीछे लेखक के मन में क्या भावना थी ?

उत्तर 2:

अस्पताल से घर आने पर लेखक की यह इच्छा थी कि उसको किताबों वाले कमरे में रखा जाए लेखक ने बचपन में परी कथाओं में सुन रखा था कि राजा के प्राण उसके तोते में बसते हैं । लेखक को भी ऐसा ही लगता था कि उसके प्राण इस शरीर से निकल चुके हैं अब वे इन हजारें किताबों में बसते हैं जो पिछले तीस चालीस सालों में इकट्ठी की गई हैं । इसीलिए लेखक को किताबों वाले कमरे में रखा गया ।

प्रश्न 3:

लेखक के घर कौन–कौन सी पत्रिकाएँ आती थीं ?

उत्तर 3:

लेखक को घर में शुरू से ही पढ़ने–पढ़ाने का माहौल मिला उसके घर में नियमित रूप से पत्रिकाएँ आती थीं जिनमें मुख्य थीं वेदोदम आर्यमित्र साप्ताहिक, सरस्वती, गृहिणी और दो बाल पत्रिकाएँ ख़ास लेखक के लिए आती थीं बालसखा और चमचम जिनमें परियों, राजकुमारों दानवों और सुदर राजकुमारियों की कहानियाँ और रेखाचित्र होते थे ।

प्रश्न 4:

लेखक को किताबें पढ़ने और सहेजने को शौक कैसे लगा ?

उत्तर 4:

लेखक के घर पर किताबों के नियमित रूप से आने और उसके लिए भी किताबें आने से उसे बचपन में किताबें पढ़ने का शौक लग गया। वह हर समय किताबों में ही खोया रहने लगा खाना खाते समय भी वह किताबें पढ़ता रहता था बड़ी किताबों के विषय समझ में नहीं आते थें मगर वह उनको भी पढ़तें हुए उन्हें समझने की कोशिश करता था ।

प्रश्न 5:
माँ लेखक की स्कूली पढ़ाई को लेकर क्यों चिंतित रहती थी ?

उत्तर 5:
लेखक की माँ स्कूली पढ़ाई पर जोर देती थीं । वे चिंतित रहती थीं कि लड़का स्कूली किताबें पढ़ता नहीं है पास कैसे होगा ! कहीं साधु बनकर घर से भाग गया तो , तब पिता कहतें थे कि इसे पढ़ने दों जीवन में यही पढ़ाई काम आएगी ।

प्रश्न 6:
स्कूल से इनाम में मिली अंग्रेजी की दोनों पुस्तकों ने किस प्रकार लेखक के लिए नई दुनिया के द्वार खोल दिए ?

उत्तर 6:
लेखक को स्कूल से दो किताबें इनाम में मिली थीं एक में पक्षियों की जातियों , बोलियों उनकी आदतों की जानकारी मिलती है तो दूसरी किताब ' ट्रस्टी द रग ' जिसमें पानी के जहाजों की कथाएँ थीं । कौन – कौन से जहाज होते कौन से माल लाते हैं कहाँ –कहाँ से माल लाते है । कौन से जहाज सवारी लेकर जाते हैं । नाविक की ज़िदगी कैसी होती है , कैसे–कैसे द्वीप मिलते हैं आदि ।

प्रश्न 7:
' आज से यह खाना तुम्हारी किताबों का । तुम्हारी अपनी लाइब्रेरी है । ' –पिता के इस कथन से लेखक को क्या प्रेरणा मिली ?

उत्तर 7:
लेखक को किताबें पढ़ने का शौक तो पहले से ही था । जब उसके पिता ने उसको मिली किताबों को देखकर किताबों की अलमारी का एक खाना देते हुए कहा कि आज से यह खाना तुम्हारी किताबों का है तब लेखक को मानो अपनी खुद की लाइब्रेरी बनाने की प्रेरणा मिल गई और अलमारी का यही खाना बढ़ते–बढ़ते एक विशाल लाइब्रेरी में बदल गया ।

प्रश्न 8:
लेखक द्वारा पहली पुस्तक खरीदने की घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

उत्तर 8:
लेखक अपनी माँ से पूछकर देवदास फिल्म देखने के लिए गया था सिनेमाघर के पास ही किताबों की दुकान थी । दुकान पर लेखक ने देवदास उपन्यास देखा उपन्यास को देखकर लेखक के मन में लालच आ गया उसने सोचा कि फिल्म तो एक बार में देख लेने के बाद समाप्त हो जाएगी अगर किताब ही खरीद लेता हूँ अपने पास भी रहेगी फिर जब मन हुआ पढ़ ली । जितनी बार चाहो पढ़ो । इसके अलावा सिनेमा का टिकट डेढ़ रुपये का था और किताब दस आने की थी । इसलिए लेखक ने किताब ही खरीदी अब किताब भी लेखक की हो गई और पैसे भी बच गए।

प्रश्न 9:

‘ इन कृतियों के बीच अपने को कितना भरा – भरा महसूस करता हूँ ’– का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 9:

लेखक जब अपने पुस्तक संग्रह पर नजर डालता है तो उसे अपने चारों ओर हिन्दी अंग्रेजी के उपन्यास , संस्मरण , नाटक ,कथा संकलन , जीवनी संस्मरण , इतिहास आदि की किताबें ही दिखाई देती हैं , जिन्हें देखकर उसे ऐसा लगता है मानों वह इन सभी लेखको से घिरा हुआ है और इन्हीं की कृपा से जीवित है ।